पुष्पं ॥ ध्यानं ॥ ॐ ह्रीं श्रीं हूं फट् वज्र यक्षिणि वज्र विघ्न नाशाय हूं फट् ॥ धूपं ॥ दीपं
ह्रीं विद्युल्लतां पुष्पं ॥ श्रीं हूं फट् स्वाहा ॥ ध्यानं ॥ विद्युद्वीणा [illegible]
[illegible] नी त्रिनेत्रा मुण्डमाला [illegible] विभूषिता [illegible]
[illegible] ॥ स्नानं ॥ ॐ हूं फट् [illegible] नमः स्वाहा ॥ [illegible]
[illegible] नमः स्वाहा ॥ जयन्ति [illegible] नाय नमः स्वाहा ॥ [illegible] नाय नमः स्वाहा

[illegible] नाय नमः स्वाहा ॥ [illegible] नाय नमः स्वाहा ॥ [illegible]
नमः स्वाहा ॥ [illegible] ॥ विद्युद्वीणा [illegible] त्रिनेत्रा [illegible]
[illegible] ॥ बलि ॥ ॐ [illegible] विद्युद्वीणा [illegible] नी [illegible]
[illegible] हूं फट् स्वाहा ॥ ॐ ॥ [illegible]
[illegible] ध्यानं [illegible] ॥ [illegible]

वा॥ ॐ ह्रीं श्री हूं फ एकामूलकुलविघ्ननाशाय हूं फट् स्वाहा॥ क्षिप्रयागबाबा
हिस्तु मलाकं सुवकेर श्री हूं हूं फट् स्वाहा॥ श्वान॥ बाबाह्नीयक्षा सुवदम
वदना एकमूर्वात्रिनेत्रा रक्तवर्णा मूलकुलकाक्षीं विद्युचक्र भुजस्य
जाख्यां वज्र फट् दवविलिनी॥ स्वानश्वाय॥ ॐ हूं फट् दूबावाह्नेनमः स्वाहा ॐ
हनमकृते यवायनमः स्वाहा एकाग्र रवकृपायनमः स्वाहा ॐ दह दाय

नमः स्वाहा ॐ क्लिं किवामयवाज्ञायनमः स्वाहा ॐ किलिकास्मशानाय नमः
स्वाहा ॐ बीदनाथायनमः स्वाहा॥ दूजास्तुती॥ बाबाहमाहवा दूं वीनां
कुर्वशानुक घयथीनदयाकारी बावाह्नींधंर मास्तु न॥ बलि नदा हिलवावा
ही घनयारस्तुती बीनांक्रुगंधाबनी ॐ ॐ बलि गुह्न फ हूं फट् स्वाहा॥ ॐ॥
थ्थिम सर्वज्ञान ॐ ह्रुायनिमानयुवाक्तस्मूतंच विद्युयाजाम्बुकेरुवन ॐ

त्रुस्याबाहस्वादवी ध्यानस्तूपुष्टंनमस्तुन॥ यान॥ ॐ ह्रीं श्रीं हूं हूं वा वा स ल स्वांवि
घुना स्याय हूं हूं हूं स्वाहा॥ ध्यौनै॥ ह्रिय॥ यश्चि मं ॐ त्रायनी हूं हूं मं व ह्रूं लावी
त्रुवनय श्री घुं हूं हूं हूं स्वाहा॥ ध्यान॥ ॐ त्रानी ह्रूं हूं न ह्रूं ह्रूं गज्जाशमिन
कमूलं विम्नायनज्ञावज्रज्जा मूवज्जाज्जा स्वांवि घृयाव ज्ञ मूयवज्जाज्जा स्वां
काकृवयाय श्याशिलि॥ स्थानवाय॥ ॐ हूं हूं हूं ॐ त्राश्चीनमस्वाहा॥ ॐ कया

हूं वज्राय नमः स्वाहा॥ वासुकिनागराजाय नमः स्वाहा॥ ॐ कर्कोटकनागरा
जाय नमः स्वाहा॥ ॐ पद्मकनागराजाय नमः स्वाहा॥ ॐ ह्रांलां कुलिकनागराजाय
स्वाहा॥ ॐ वासुकिनागराजाय नमः स्वाहा॥ ॐ मञ्जुनाथाय नमः स्वाहा॥ ॐ
ज्ञा॥ ॐ त्रायनी गजमातृका वज्रकालायरम्भरी सहस्रावदनाशोभ्या॥ ॐ त्राणी
नमस्तुते॥ देवी॥ कुरुकुल्ला मनमाम विलासज्जाढिमा॥ ॐ देवालि पूजा ॐ हूं

वनवकसखयपि रसर्द्ववि कह्यानिस्वंसनिदवी ऊनर्ह्लेन स्लनवबदाय
नी॥ ॥ऊमिनारूमंदह्नआदियानह्लिनि कस्यानवमिवनयख्व
पिरकवनिकयाहरवेऊॄश्वानीय स्लस्लनवबदायनी॥ ॥दि
नान्वयमकुठंकेनी वविकेदुसंकनिख्वानीरथावक मषहयायनख्व
यीव्रीवयड्रनवलिवमाहा॥ ॥सर्द्वमथागानकनिदवी वि

यहिनलोवऊलोवारख्वीवऊयानिनिवनन्ह्यंगन.गवाकिसम
यमवकु॥ ॥वानाममहेलायानकानगात्रऊनाषियाय र
षिद्धयानिवभ्रुदर्ह्लेनवन्द्दववा ॥नमामिश्रीह्नींक्षःव्वनत्रिभुवन
नाथरकननामयकगानवख्वानिया॥ ॥हविहुनवस्काःद्वादिया:
कयानारनागयकनानवद्दिनावनह्ना॥ ॥उक्कसमनक्कयायः

देवनाश्वयाथिदानिउद्द ४ ल्वहवना॥ ॥हस्वावनिद्दवनधर्म्माक्व
तिरश्रीहीकन्यरुजमत्रमजवना॥ ॐ ॥मनाविवसंवादि कुरु
नकेमरवरक बदेनश्वनगानमकुटके सिलिनियाशवना॥ ॐ ॥नमादे
वीवडुत्रक्विनिविमिकुननिरश्रीरवन्याथिन जिनयमनदयलि॥ ॥
दहिनकुनवज विनाभिनदश्वक्लिश्वामकेहाठका वकुमानयिवथि॥

१४३ [illegible]

[illegible]

1445

गीतजंग१

नयनीमध्रुहमाख्वरुदियानगामनेश्वक्रनानयून्हवनगनगयुवमिना॥
॥ ॥श्रीविष्णुध्वयीदवीह्ननहमुह्निना॥२॥मकुनमाद्विसिद्धिदह्निम
माना॥ ९६ ७३ ॥नागनहांउहि॥नंथाकनहींवादह्न्निनोनयना॥२
कंथिमखलाकुसिंध्वहरुषिमा॥ ॥मनाह्कूभनाह्कू२भनानभाह्कू
ह्कूह्कू॥ ॥घाघनहनंदह्नह्नाथ्वयुह्नगुन्धना॥२॥थुजन्महक्रकमयुत्रभो

गीतोवयापा१२

हिमा॥ ॥ऊम्हनिह्नम्हनीमादनीआकर्षना॥२॥आदिस्मनकन्यान
कनका॥ ॥ल्वर्गमिख्यामानक्रिह्नवन॥२॥गानयलियज्ञासर्द्दका
थ्वमिथ्य॥२॥ ✿ ॥गगमीतीरागयँवकयानाश्वाहिनमोहियकुल्हनयं
वमदाह्नवना॥२॥ननसिनमायायीवल्हलाथ्वाघ्रवमेकक्रिहषिमवदान
॥ ॥ ॐ ॥ह्कूह्कूकाहसंज्ञानवदनाषवह्नधादहनिनसमदहाज्ञावाधिय

आशा सफूकुथि
ASHA ARCHIVES
444

ग ग् श्रुनवाद्भ सु म या बिज्ञा न व न [illegible] मन्त्र श्व मि दिथ्ये। श्रुन स्वा वी थे

सवइव न॥ [illegible] श्रुनयाद वा सय [illegible]

[illegible] मनिल वा चू [illegible] श्रुनया [illegible] व बा चू व॥ [illegible]

गु थ्व वद्धा। [illegible] नी दवी [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] २४ [illegible] नी [illegible]

मानु [illegible] वी [illegible] वा [illegible] वी [illegible]

[illegible] वि॥ [illegible] नीलवा [illegible] वा [illegible]

[illegible] युवाना [illegible]

[illegible] व व॥ [illegible] वी [illegible] वा वा नं [illegible]

[illegible] वा [illegible] वा वा नं॥

॥ श्रीगगनवाहिनिकादेवी [illegible] वस्त्रं [illegible] वर्णाय उमयुक्त [illegible] मा [illegible]
लोचिता [illegible] मयूरवाहनाय रक्तवाहनाय [illegible] सिद्धिभाविनि॥ ॥ [illegible]
ह [illegible] योगत्र [illegible] का मत्तवाहनाय गज [illegible] ा [illegible] वाहन [illegible] ॥
देवी [illegible] वदना [illegible] सिंहवाहन [illegible] ॥ ॥ [illegible] नागा [illegible]
[illegible] याविल [illegible] यावनव [illegible] देवी [illegible] मामदेवी [illegible] याय [illegible]

द्वंविनि [illegible] सिद्धिक [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] विनि [illegible] बि
[illegible] थिया ॥ [illegible] मङ्गलचाया ॥ [illegible] ॥ [illegible]
श्रीमिषान ॥ [illegible] मिद्ध [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] मानी [illegible] बाहदी [illegible]
लम ॥ [illegible] वालि [illegible] गन [illegible] ॥ [illegible] ॥

विषय २८ ॥ यायायैवन ॥ विषय ३ विनुयवनसंज्ञात्वा हवैयस्थ्रयाति न्नाविकना
वशदहवीक्षिनाविभुगमि स्त्रवीशूसनवह पितिभ्राकामनपृथ्यामयायं
ग क्षे ॥ ननमयक्रूयायं कालवर्त्तं रुवजयंस्वयविषक्षूयं २यीययदूसं
जा[illegible] रुवनीधयय महजज्ञानश्वयय क्षानयुयं ॥ ॥ वजयस्तुवसमग्र
वमयुमगय नामसौयाग भुक्तायश्रीमं स्त्रमहुरवनागनं आधिरुल

यायवं आगमग ॥ मेहश्री क्षावहियं ॥ ॥ स्तुरुयाश्रुरधीधीस्त यावव
ज्ञाक्षय मानिमग्रहरवरुडमाद्दिवीविशा २ वहुरक्षुयाग्रसं जिनयनयश्वी
सूयरूयमायु मामाव्रूहवनं ॥ ॥ स्वप्रमाश्रसहरुया क्षावयविकावमा बुद्ध
धिसेसंघ सवनामासिनं २ स्तुरुयवनाभ्रिलं धीक्षेया मार्गक्रुसवनवरुक्ष
सयव ज्वसे मीत्र रुद्रयावनं ॥ क्षे ॥ ३०॥ वामालाक्षिमयाम्भुवयमनशीमहरु

मधुलि
यृ

कुमाया॥२॥सधिरकोमधशं कालानदला॥ ध्रु ॥ शरद्वेश्रीम... मधुर
आशियया॥२॥श्री हृदयबन्धिर दक्षिनबवकोविनय ॥वामपूज्ञवामंर वूपपू
याया॥२॥यमयपूवाशवानदला॥ ॥दक्षिनवाम कर धनुशरथ्वविनय॥२॥यक्ष
नमावदथ्य शमयपूवावा॥ ॥ कनुनयवावेनाथ्वु यमुहवनइवया॥२॥शुक्षा
नमहवकृत शवयपूतादा॥ ध्रु ॥ २६ ॥ राग बसन्त ॥ मधुलितिध्रुविपूर्णा इ

आशा सफू कुथि
ASHA ARCHIVES
4444